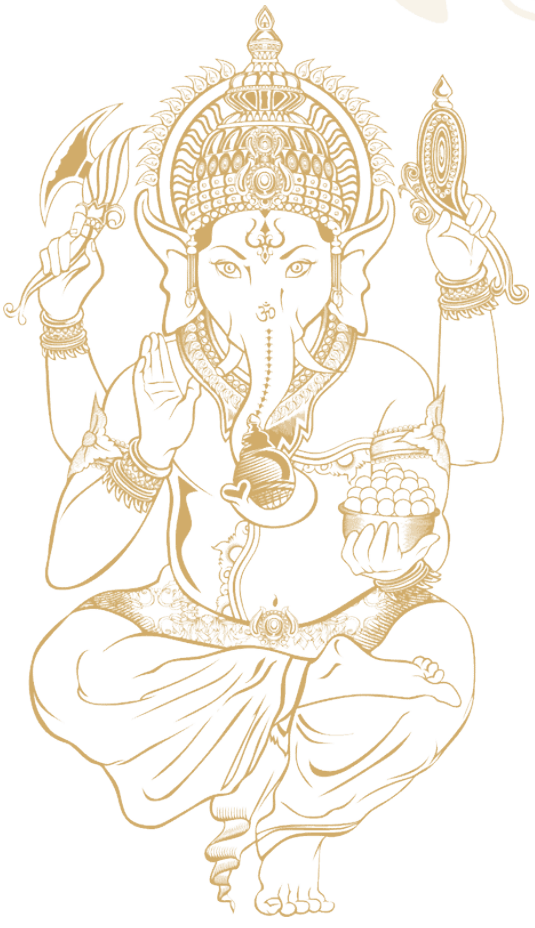

Larka

Simran

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120509802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/09/1993	जन्म तिथि	4-05/12/1996
सोम-मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	05:25:00 घंटे
घटी 58:24:46	जन्म समय(घटी)	57:16:26 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:05	सूर्योदय	06:30:25
18:11:09	सूर्यास्त	17:03:08
23:46:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:51

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 2वर्ष 10मा 10दि		11:15:43	सिंह		लग्न	वृश्चिक	04:13:56	सूर्य 0वर्ष 5मा 12दि	
राहु		20:35:41	सिंह		सूर्य	वृश्चिक	19:18:39	राहु	
19/07/2019		24:45:31	मेष		चंद्र	कन्या	09:00:02	18/05/2014	
18/07/2037		22:51:51	कन्या		मंगल	सिंह	24:31:16	18/05/2032	
राहु	31/03/2022	28:23:42	सिंह		बुध	धनु	06:47:29	राहु	28/01/2017
गुरु	24/08/2024	22:32:04	कन्या		गुरु	धनु	25:21:07	गुरु	24/06/2019
शनि	01/07/2027	18:32:41	कर्क		शुक्र	तुला	20:57:19	शनि	30/04/2022
बुध	17/01/2030	01:51:36	कुंभ	व	शनि	मीन	06:47:48	बुध	16/11/2024
केतु	04/02/2031	12:51:59	वृश्चिक	व	राहु	कन्या	11:45:35	केतु	05/12/2025
शुक्र	04/02/2034	12:51:59	वृष	व	केतु	मीन	11:45:35	शुक्र	05/12/2028
सूर्य	30/12/2034	24:37:42	धनु	व	हर्ष	मक	08:06:26	सूर्य	29/10/2029
चन्द्र	30/06/2036	24:44:50	धनु	व	नेप	मक	02:06:11	चन्द्र	30/04/2031
मंगल	18/07/2037	29:17:39	तुला		प्लूटो	वृश्चिक	09:34:31	मंगल	18/05/2032

लग्न-चलित

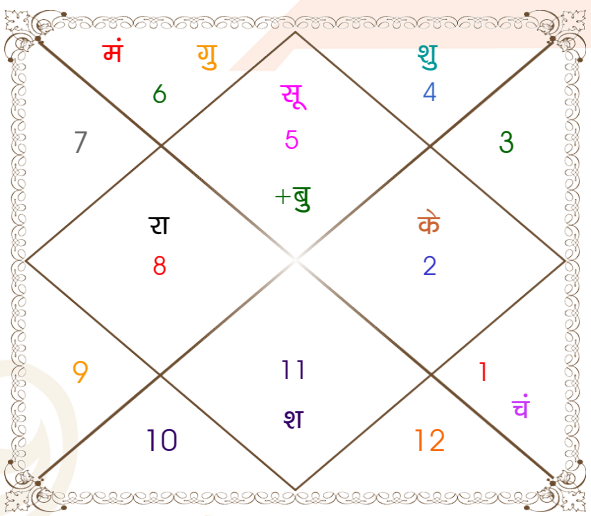

लग्न-चलित

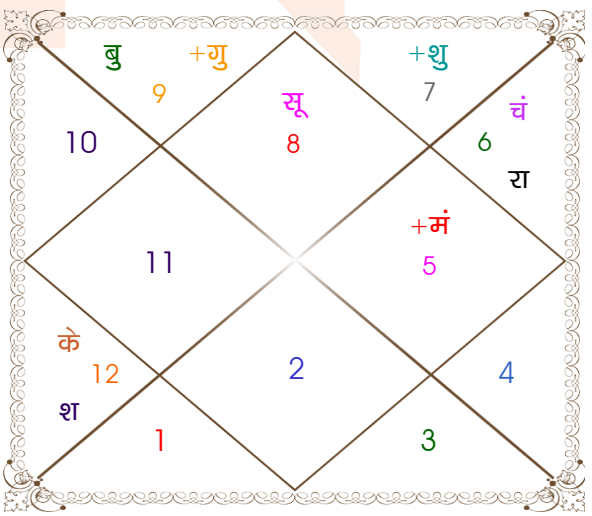

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

स्तां का वर्ग मृग है तथा ौपउतंद का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्तां और ौपउतंद का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

स्तां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ौपउतंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

स्तां तथा ौपउतंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।